

B. com IInd Sem.

Paper = IVth

Subject = Business Management

Lecture by:

Mr. Vikas Maurya

Assistant Professor

Nehru Gram Bharti

(Deemed to be University)

Prayagraj

Topic :- Controlling (नियंत्रण)

नियंत्रण (Controlling) :-

नियंत्रण का अर्थ पूर्व निर्धारित लक्ष्यों एवं उद्देश्यों के अनुसार प्रमाणित कार्य सम्पन्न हो रहा है अथवा नहीं की जाँच करना है, यदि नहीं हो रहा है तो कमियों एवं कारणों की जाँच कर सुधारात्मक कार्यवाही करना है। नियंत्रण करने से अभिप्राय विचलन एवं विस्मरण को न्यूनतम करना है।

डॉ. रफ. मल. ब्रेच के अनुसार, "नियंत्रण उचित एवं सन्तोषजनक निष्पादन के सुनिश्चितीकरण के दृष्टिकोण से वार्षिक निष्पादन की योजना के पूर्व महत्त्व मानने के विरुद्ध जाँच है।"

राबर्ट मालवेनिस के अनुसार, "प्रबन्धकीय नियंत्रण यह सुनिश्चित करने की प्रक्रिया है कि कार्य वांछित परिणामों की दिशा में है।"

नियंत्रण की विशेषताएं :-

1. योजना नियंत्रण का आधार है।
2. नियंत्रण सर्वव्यापक क्रिया है।
3. नियंत्रण भागे की ओर देखा है।
4. नियंत्रण निरन्तर प्रक्रिया है।
5. प्रवृद्ध का महत्वपूर्ण कार्य है।
6. उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक
7. विचलनों को पता लगाने एवं मुद्दात्मक कार्यवाही करने में सहायक

नियंत्रण का उद्देश्य :-

1. विचलनों का पता लगाना
2. अनावश्यक कार्यों की पहचान करना
3. लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायता करना
4. योजना के अनुसार कार्य करवाने में सहायक
5. विभिन्न कार्यों में समन्वय स्थापित करना
6. न्यूनतम प्रयास में अधिकतम परिणाम प्राप्त करने में सहायक

नियंत्रण की आवश्यकता एवं महत्व :-

1. नियंत्रण परिणामों एवं साधनों एवं प्रयत्नों व उत्पादन के मध्य सन्तुलन स्थापित करता है।
2. नियंत्रण लक्ष्यों एवं उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होता है।
3. नियंत्रण कर्मचारियों को अभिप्रेरित करता है तथा उनके मनोबल को ऊंचा रखता है।
4. नियंत्रण निर्वाचन प्रक्रिया में सहायता करता है।
5. नियंत्रण नियोजन के सफल विज्ञानतन्त्र का सर्वाधिक प्रभावी अंग है।
6. नियंत्रण पर्यवेक्षण का सर्वश्रेष्ठ अंग है।

नियंत्रण में प्रक्रिया :-

1. मानक या प्रमाण निर्धारित करना
 2. कार्य का मापन
 3. कार्य का बुझांकन या वास्तविक कार्य का प्रमाणित कार्य से तुलना
 4. विचलनों के कारणों का पता लगाना
 5. सुधारात्मक कार्यवाही करना
- अच्छी नियंत्रण प्रणाली के गुण :-

1. शासन प्रणाली
2. स्पष्ट उद्देश्य
3. लचीली पद्धति
4. भविष्योन्मुखी
5. लक्ष्योन्मुखी
6. आवश्यकतानुसार
7. लागतों में बचत में सहायक